हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 10 अंक : 285 | देहरादून, शुक्रवार, 13 मई, 2022 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

राज्य में प्रत्येक व्यक्ति की बनेगी डिजिटल हेल्थ आई : डॉ0 धन सिंह रावत

3

अंत्योदय परिवारों को साल में तीन LPG गैस सिलेंडर मुफ्त, धामी कैबिनेट का फैसला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चम्पावत उपचुनाव के पहले धामी कैबिनेट ने कई अहम और बड़े फैसले किये है। सीएम पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक में अंत्योदय परिवारों को एक साल में तीन LPG गैस सिलेंडर मुफ्त देने की योजना पर सरकार ने हामी भर दी है।

धामी सरकार पार्ट 2 में अंत्योदय परिवारों को साल में तीन LPG गैस सिलेंडर मुफ्त देने की योजना पर मुहर लगा दी है। गुरुवार को सीएम पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में आयोजित केबिनेट बैठक के बाद मुख्य सचिव एसएस संधू ने बताया कि खाद्य आपूर्ति विभाग 1.84 लाख परिवारों को साल में 3 गैस सिलेंडर मुफ्त देगा।

इसके साथ ही केबिनेट ने किसानों को प्रति कुंतल गेहूं पर 20 रुपए बोनस देने का भी निर्णय लिया है। अभी सरकार किसानों को प्रति कुंतल 2015 रुपए दे रही है, अब बोनस मिलाकर कुल 2035 रुपए मिलेंगे। सरकार ने केदारनाथ में बनाए जा रहे एक मंजिले भवन को दो मंजिला बनाने की अनुमति दे दी है।

गन्ना मूल्य भुगतान के लिए दी जाने वाली शासकीय गारंटी के लिए विभाग शासन को एक्ट के हिसाब से शुल्क देगा। यदि किसानों को मदद की आवश्यकता है तो विभाग शासन को अवगत कराएगा इसके पश्चात शासन द्वारा मदद की जाएगी।

तीन सिलेंडर मुफ्त देने का निर्णय आचार संहिता का उल्लंघन : सूर्यकांत धस्माना

मतदाताओं को प्रलोभन देने का मामला, मुख्यमंत्री के चुनाव की आचार संहिता है लागू

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड में उपभोक्ताओं को साल में तीन रसोई गैस सिलेंडरों के देने का आज की कैबिनेट के फैसला आदर्श आचार सहिंहता का उलंघन ही नहीं आचार सहिंता की खुले आम धज्जियां उड़ाने का मामला है और इस विषय पर प्रदेश कांग्रेस पार्टी चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कर कार्यवाही की मांग करेगी। यह बात उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सूर्यकांत धस्माना ने कही। कांग्रेस नेता धस्माना ने कहा कि राज्य में चुनाव फरवरी में सम्पन्न हुए थे और मार्च में नई सरकार का गठन हो गया था किंतु दो महीने तक राज्य की सरकार ने राज्य के

आम उपभोक्ता को महंगाई से राहत देने की कोई कार्यवाही या घोषणा नहीं की। किंतु

■ चुनाव आयोग से शिकायत करेगी कांग्रेस : सूर्यकांत धस्माना

अब ऐन चुनाव के वक़्त जब आचार सहिंता लागू है बीजेपी सरकार की यह तीन मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर की घोषणा सीधे सीधे आदर्श चुनाव आचार संहिता का उलंघन है। सूर्यकान्त धस्माना ने कहा कि यह इस उप चुनाव में राज्य सरकार का दूसरा मामला है जब चुनाव आचार संहिता का उलंघन किया गया है। लिहाज़ा कांग्रेस इस मुद्दे पर खामोश नहीं रहेगी।

महिला होने के नाते 3 मुफ्त सिलेंडर की ख़ुशी महसूस करती हूँ : रेखा आर्या

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

धामी सरकार की लगभग 2 घंटे चली कैबिनेट ने कई प्रस्तावों पर मुहर लगाई। जिसमें खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता विभाग के दो अहम प्रस्तावों पर भी कैबिनेट ने मुहर लगा दी है। जिसके तहत अब वित्तीय वर्ष 22-23 में अंत्योदय राशन कार्ड धारकों को साल में तीन गैस सिलिंडर रिफिल उपलब्ध करवाया जाएगा। तीन रिफिल सिलिंडर में पहला अप्रैल से जुलाई के मध्य, दूसरा अगस्त से नवंबर के मध्य और तीसरा दिसंबर से मार्च के मध्य उपलब्ध करवाया जाएगा। वहीं दूसरा महत्वपूर्ण फैसले के तहत किसानों को 20 रुपये प्रति क्विंटल बोनस भी है।

कैबिनेट मिनिस्टर रेखा आर्या ने कहा कि महिलाएं क्योंकि किसी भी परिवार की रीढ़ हैं और ऐसे गरीब परिवार के आर्थिक बोझ को कम करते हुए साल में तीन मुफ्त गैस रिफिल का प्रावधान अंत्योदय कार्ड धारकों के लिए किया है। उन्होंने कहा कि वो महिला होने के नाते समझती हैं कि इससे उन्हें राहत मिलेगी , साथ ही सरकार ने किसानों के हितों को देखते हुए फैसला लिया है क्योंकि किसान जब आर्थिक रूप से मजबूत होगा तो प्रदेश खुशहाल होगा।

■ खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग से कैबिनेट ने पास किये दो प्रस्ताव
■ अब प्रदेश के 1,84,142 अंत्योदय कार्ड धारकों को मिलेंगे साल में तीन मुफ्त गैस रिफिल सिलिंडर
■ किसानों को गेहूं बोनस के रूप में अब 20 रुपये प्रति क्विंटल पर भी कैबिनेट की सहमति बनी

केदारनाथ मंदिर में वीआईपी गेट से प्रवेश पर रोक लगी

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ मंदिर में वीआइपी द्वार से श्रद्धालुओं के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। अब हेली सेवा से पहुंचने वाले श्रद्धालु भी लाइन में लगकर ही बाबा के दर्शन करेंगे। इसके लिए वीआइपी द्वार पर बैरिकेडिंग लगाई गई है। अब तक बड़ी संख्या में श्रद्धालु वीआइपी द्वार से मंदिर में प्रवेश कर रहे थे, इससे दर्शनों के दौरान धक्का-मुक्की तक की नौबत आ जा रही थी। वहीं, लाइन में खड़े श्रद्धालुओं को हर हाल में दो घंटे के भीतर दर्शन कराने होंगे। मंदिर परिसर में यात्रियों को नियंत्रित करने के लिए भी बैरिकेडिंग लगाई गई है। बाबा केदार के दर्शनों को इस बार श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ रहा है। इससे व्यवस्थाएं बनाने में प्रशासन के पसीने छूट रहे हैं। अब तक सवा लाख से अधिक श्रद्धालु बाबा के दर्शन कर चुके हैं। इससे दर्शनों के दौरान धक्का-मुक्का से भारी अव्यवस्था फैल रही है। दरअसल, हेली सेवा से प्रतिदिन आने वाले लगभग दो हजार श्रद्धालु भी वीआइपी द्वार से दर्शनों को पहुंच रहे। इससे अव्यवस्था और बढ़ गई है। इसी को देखते हुए प्रशासन ने वीआइपी दर्शनों पर रोक लगाने का निर्णय लिया। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने कहा कि धाम में आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को अब सामान्य लाइन में खड़े होकर दर्शनों के लिए अपनी बारी का इंतजार करना होगा। लाइन में खड़े श्रद्धालुओं को दो घंटे में दर्शन कराने के निर्देश दिए गए हैं। इसके लिए पुलिस फोर्स तैनात की गई है, जो लाइन में खड़े श्रद्धालुओं को दर्शन कराने में सहयोग कर रही है। जिलाधिकारी ने बताया कि प्रति मिनट 30 श्रद्धालुओं को दर्शन कराए जा रहे हैं, ताकि समय पर सभी श्रद्धालु दर्शन कर सकें।

क्या सचमुच चार धाम में बिका रही है 300 रुपये में एक थाली खाना?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

दुनिया भर से तीर्थ यात्रा के दौरान पुण्य कमाने के लिए यात्री दुर्गम और मुश्किल हालातों को भी पार करते हुए चार धाम यात्रा के लिए उत्तराखंड आ रहे हैं। लेकिन पुण्य कमाने की मंशा लेकर आने वाले इन्हें बुजुर्ग तीर्थयात्रियों से पहाड़ में दुकान चलाने वाले व्यापारी जमकर मुनाफा भी कमा रहे हैं।

यह कोई पहली बार नहीं है जब उत्तराखंड के चार धाम यात्रा के दौरान सरकार ने सख्त आदेश दिया है कि अतिथियों को कोई समस्या ना हो और उनसे अतिरिक्त पैसा ना लिया जाए। बावजूद इसके 2 साल कोरोना में नुकसान झेलने वाले यह दुकानदार और स्थानीय व्यापारी मोटा मुनाफा कमाने में जुट गए हैं।

आमतौर पर ₹100 में पेट भर भोजन करने का बजट बनाकर आने वाले तीर्थ यात्रियों को ढाई सौ से ₹ 300 तक चुकाना पड़ रहा है , तो वही बच्चों के लिए दूध , मैगी , बिस्कुट और अन्य खाद्य सामग्रियों के नाम पर भी दुकानदार कई गुना मुनाफा झटक रहे हैं।

चारधाम में भोजन की थाली पर जिला प्रशासन का कोई नियंत्रण नहीं है। यहां श्रद्धालुओं से मनमाने पैसे वसूले जा रहे हैं। केदारनाथ में जहां चाय 30 रुपये और भोजन की थाली 300 रुपये की है तो वहीं बदरीनाथ में मैगी 50 रुपये की मिल रही है।

हालांकि, गौरीकुंड से केदारनाथ तक 16 किमी पैदल चलकर घोड़े-खच्चरों के जरिए सामान पहुंचाया जाता है। राजधानी देहरादून में 10 रुपये की मैगी बनाने के बाद 30 रुपये की पड़ती है तो केदारनाथ में यही प्लेट 60 रुपये की पड़ रही है। चिप्स और बिस्कुट भी प्रिंट रेट से दोगुने में बेचे जा रहे हैं। भोजन की थाली के दाम 300 रुपये हैं। सोनप्रयाग में पानी की बोतल के 25 रुपये लिए जा रहे हैं। बदरीनाथ में पानी की बोतल पर 10 रुपये अतिरिक्त वसूले जा रहे हैं। चिप्स निर्धारित मूल्य पर उपलब्ध है, लेकिन 10 रुपये की मैगी की कीमत 50 रुपये तक है।

होटल और धर्मशालाओं में भोजन की थाली 120 रुपये से 300 रुपये तक है। एक चाय की कीमत भी 15 रुपये है। गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में दस रुपये की एक मैगी 40 रुपये की पड़ रही है, लेकिन भोजन की बाकी सामग्री के दाम कम हैं। यमुनोत्री में भोजन की थाली 150 रुपये की है। इसके पड़ाव स्थल बड़कोट में यही थाली 100 रुपये की है। दोनों ही धामों में 20 रुपये की चाय मिल रही है।

पानी की बंद बोतल 40 रुपये की

केदारनाथ में पानी की बंद बोतल दोगुने दाम में मिल रही है। चारधाम के पड़ावों पर हालांकि इसकी कीमत 20 रुपये ही है। बदरीनाथ में 30 रुपये, जबकि गंगोत्री एवं यमुनोत्री धाम में पानी की बोतल 20-20 रुपये में मिल रही है।

धाम तक दो सिलेंडर लाने में खर्च हो रहे 2350 रुपये

केदारनाथ में जीएमवीएन ने भोजन सामग्री के रेट निर्धारित किए हैं। श्रद्धालु यदि किसी होटल और धर्मशाला में ठहरे हों तो भी जीएमवीएन की कैंटीन में भोजन कर सकते हैं। क्षेत्रीय प्रबंधक बताते हैं कि भोजन की थाली के 250 रुपये तय हैं, जबकि नाश्ता 150 रुपये में उपलब्ध है। चाय 30 रुपये और मैगी के दाम 50 रुपये हैं। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि घोड़े के जरिए केदारनाथ तक दो सिलेंडर लाने में 2,350 रुपये लग रहे हैं।

ऐसे में बहुत जरूरी है कि राज्य सरकार समय-समय पर यात्रा मार्गों पर मौजूद दुकानों की जांच पड़ताल करें और वहां पर कीमत दर्शाते बोर्ड भी लगवाए , जिससे तीर्थ यात्रियों को राज्य सरकार द्वारा निर्धारित मूल्यों पर जरूरत के सामान मिल सके। लेकिन अगर ऐसा नहीं होता है तो इसमें कोई दो राय नहीं कि चारधाम यात्रा के दौरान पुण्य कमाने की मंशा लेकर आ रहे तीर्थयात्री से स्थानीय व्यापारी यूं ही मोटी रकम वसूल करते रहेंगे और लोगों का यात्रा बजट बर्बाद होता रहेगा। इससे न सिर्फ लोग अपने मन में स्थानीय लोगों के लिए खट्टे अनुभव लेकर जाएंगे , बल्कि राज्य सरकार और पर्यटन विभाग के प्रति भी आक्रोश साथ ले जायेंगे।

चार धाम में मंहगा हुआ दाना-पानी, तीर्थ यात्रियों की बढ़ी परेशानी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

दुनिया भर से तीर्थ यात्रा के दौरान पुण्य कमाने के लिए यात्री दुर्गम और मुश्किल हालातों को भी पार करते हुए चार धाम यात्रा के लिए उत्तराखंड आ रहे हैं। लेकिन पुण्य कमाने की मंशा लेकर आने वाले इन्हें बुजुर्ग तीर्थयात्रियों से पहाड़ में दुकान चलाने वाले व्यापारी जमकर मुनाफा भी कमा रहे हैं।

यह कोई पहली बार नहीं है जब उत्तराखंड के चार धाम यात्रा के दौरान सरकार ने सख्त आदेश दिया है कि अतिथियों को कोई समस्या ना हो और उनसे अतिरिक्त पैसा ना लिया जाए। बावजूद इसके 2 साल कोरोना में नुकसान झेलने वाले यह दुकानदार और स्थानीय व्यापारी मोटा मुनाफा कमाने में जुट गए हैं।

आमतौर पर ₹100 में पेट भर भोजन करने का बजट बनाकर आने वाले तीर्थ यात्रियों को ढाई सौ से ₹ 300 तक चुकाना पड़ रहा है , तो वही बच्चों के लिए दूध , मैगी , बिस्कुट और अन्य खाद्य सामग्रियों के नाम पर भी दुकानदार कई गुना मुनाफा झटक रहे हैं।

चारधाम में भोजन की थाली पर जिला प्रशासन का कोई नियंत्रण नहीं है। यहां श्रद्धालुओं से मनमाने पैसे वसूले जा रहे हैं। केदारनाथ में जहां चाय 30 रुपये और भोजन की थाली 300 रुपये की है तो वहीं बदरीनाथ में मैगी 50 रुपये की मिल रही है।

हालांकि, गौरीकुंड से केदारनाथ तक 16 किमी पैदल चलकर घोड़े-खच्चरों के जरिए सामान पहुंचाया जाता है। राजधानी देहरादून में 10 रुपये की मैगी बनाने के बाद 30 रुपये की पड़ती है तो केदारनाथ में यही प्लेट 60 रुपये की पड़ रही है। चिप्स और बिस्कुट भी प्रिंट रेट से दोगुने में बेचे जा रहे हैं। भोजन की थाली के दाम 300 रुपये हैं। सोनप्रयाग में पानी की बोतल के 25 रुपये लिए जा रहे हैं। बदरीनाथ में पानी की बोतल पर 10 रुपये अतिरिक्त वसूले जा रहे हैं। चिप्स निर्धारित मूल्य पर उपलब्ध है, लेकिन 10 रुपये की मैगी की कीमत 50 रुपये तक है।

होटल और धर्मशालाओं में भोजन की थाली 120 रुपये से 300 रुपये तक है। एक चाय की कीमत भी 15 रुपये है। गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में दस रुपये की एक मैगी 40 रुपये की पड़ रही है, लेकिन भोजन की बाकी सामग्री के दाम कम हैं। यमुनोत्री में भोजन की थाली 150 रुपये की है। इसके पड़ाव स्थल बड़कोट में यही थाली 100 रुपये की है। दोनों ही धामों में 20 रुपये की चाय मिल रही है।

पानी की बंद बोतल 40 रुपये की

केदारनाथ में पानी की बंद बोतल दोगुने दाम में मिल रही है। चारधाम के पड़ावों पर हालांकि इसकी कीमत 20 रुपये ही है। बदरीनाथ में 30 रुपये, जबकि गंगोत्री एवं यमुनोत्री धाम में पानी की बोतल 20-20 रुपये में मिल रही है।

धाम तक दो सिलेंडर लाने में खर्च हो रहे 2350 रुपये : केदारनाथ में जीएमवीएन ने भोजन सामग्री के रेट निर्धारित किए हैं। श्रद्धालु यदि किसी होटल और धर्मशाला में ठहरे हों तो भी जीएमवीएन की कैंटीन में भोजन कर सकते हैं। क्षेत्रीय प्रबंधक बताते हैं कि भोजन की थाली के 250 रुपये तय हैं, जबकि नाश्ता 150 रुपये में उपलब्ध है। चाय 30 रुपये और मैगी के दाम 50 रुपये हैं। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि घोड़े के जरिए केदारनाथ तक दो सिलेंडर लाने में 2,350 रुपये लग रहे हैं।

ऐसे में बहुत जरूरी है कि राज्य सरकार समय-समय पर यात्रा मार्गों पर मौजूद दुकानों की जांच पड़ताल करें और वहां पर कीमत दर्शाते बोर्ड भी लगवाए , जिससे तीर्थ यात्रियों को राज्य सरकार द्वारा निर्धारित मूल्यों पर जरूरत के सामान मिल सके। लेकिन अगर ऐसा नहीं होता है तो इसमें कोई दो राय नहीं कि चारधाम यात्रा के दौरान पुण्य कमाने की मंशा लेकर आ रहे तीर्थयात्री से स्थानीय व्यापारी यूं ही मोटी रकम वसूल करते रहेंगे और लोगों का यात्रा बजट बर्बाद होता रहेगा। इससे न सिर्फ लोग अपने मन में स्थानीय लोगों के लिए खट्टे अनुभव लेकर जाएंगे , बल्कि राज्य सरकार और पर्यटन विभाग के प्रति भी आक्रोश साथ ले जायेंगे।

हिंदी दैनिक
न्यूज़ वायरस

राज्य में प्रत्येक व्यक्ति की बनेगी डिजिटल हेल्थ आई : डॉ0 धन सिंह रावत

पैदल यात्रा मार्गों पर उपलब्ध रहेगा पोर्टेबल आक्सीजन सिलेंडर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क (आशीष तिवारी)

राज्य में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को अधिक सुलभ बनाने एवं मरीजों की मेडिकल हिस्ट्री का रिकॉड संरक्षित करने की दृष्टि से प्रत्येक व्यक्ति की डिजीटल हेल्थ आईडी बनाई जायेगी जिसकी शुरूआत राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण द्वारा की जा चुकी है। इसके साथ ही प्रदेश में आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिये गये हैं। चारधाम यात्रा के अंतर्गत केदारनाथ, तुंगनाथ, हेमकुंड साहिब, यमुनोत्री में पैदल यात्रा मार्गों पर यात्रियों की सुविधा के लिए पोर्टेबल आक्सीजन सिलेंडर उपलब्ध रहेंगे।

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने आज राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण के सभागार में चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग की बैठक ली। जिसमें आयुमान कार्ड की बनाये जाने की अद्यतन स्थिति, राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन, अलट आयुष्मान योजना, एनएचएम के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं तथा मेडिकल कॉलेजों में पैरामेडिकल एवं अन्य

स्टॉफ के रिक्त पदों की समीक्षा की। डॉ0 रावत ने कहा कि राज्य में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को अधिक सुलभ बनाने एवं मरीजों की मेडिकल हिस्ट्री का रिकॉड संरक्षित करने के उद्देश्य से प्रत्येक व्यक्ति की डिजीटल हेल्थ आईडी बनाई जायेगी जिसकी शुरूआत राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण द्वारा की जा चुकी है। राज्य में शत-प्रतिशत लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश अधिकारियों को दिये। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रदेश के जिन मेडिकल कॉलेजों में एमआरआई मशीन व जिला चिकित्सालयों में सीटी स्कैन एवं अल्ट्रासाउंड मशीने नहीं है वहां पर शीघ्र मशीनें उपलब्ध कराई जाय। उन्होंने बताया कि चार धाम यात्रा पर आने वाले तीर्थ यात्रियों की सुविधा के लिए पैदल यात्रा मार्गों पर प्रत्येक 500 मीटर की दूरी पर पोर्टेबल आक्सीजन सिलेंडर की व्यवस्था की गई है। बैठक में विभागीय मंत्री ने अधिकारियों को चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा से संबंधित लंबित पत्रावलियों का निस्तारण समय से करने को कहा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि स्टेट कॉलेज ऑफ नर्सिंग देहरादून के छात्रावास, दून मेडिकल कॉलेज के भवनों तथा स्वास्थ्य विभाग के अन्य भवनों का निर्माण कार्य समय पर पूर्ण न करने वाली कार्यदायी संस्थाओं के विरूद्ध कार्यवाही की जाय।

बैठक में स्वास्थ्य सचिव राधिका झा, चैयरमैन राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण डी.के. कोटिया, मिशन निदेशक एनएचएम सोनिका, महानिदेशक स्वास्थ्य डॉ0 शैलजा भट्ट, कुलपति उत्तराखंड मेडिकल विश्वविद्यालय प्रो0 हेमचन्द्र, अपर सचिव स्वास्थ्य एवं सीईओ राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण अरूणेन्द्र सिंह चौहान, अपर निदेशक स्वास्थ्य शिक्षा एवं प्राचार्य दून मेडिकल कॉलेज डॉ0 आशुतोष सयाना सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

विकास खण्ड कार्यालय नारसर में स्वरोजगार कैम्प आज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

महा प्रबन्धक जिला उद्योग केन्द्र हरिद्वार पल्लवी गुप्ता ने बताया है कि जिला उद्योग केन्द्र हरिद्वार द्वारा संचालित प्रमुख योजनाओं-प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना एवं मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना अति सूक्ष्म (नैनो) उद्यम से सम्बन्धित समस्त जानकारी के लिए 13 मई को विकास खण्ड कार्यालय बहादराबाद के सभागार एवं विकास खण्ड कार्यालय नारसर के सभागार में स्वरोजगार कैम्प आयोजित किये जा रहे हैं।

महाप्रबन्धक जिला उद्योग ने अनुरोध किया है कि ब्लॉक बहादराबाद एवं नारसन के ऐसे युवक/युवतिया जो ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में अपना व्यवसाय/उद्यम/पथ विक्रेता आदि अपनी आजीविका चलाये जाने हेतु अपना व्यवसाय/सेवा/विनिर्माणक उद्यमों का संचालन करना चाहते हैं, वे अधिक से अधिक संख्या में स्वरोजगार कैम्प में पहुंच कर योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि अधिक जानकारी के लिये बचन सिंह पाल सहायक प्रबन्धक मो0 नं0-9411540673, श्री प्रकाश सिंह असवाल सहायक प्रबन्धक 9634359175, श्री शिव लाल सिंह, सहायक प्रबन्धक, 9411172102 से सम्पर्क किया जा सकता है।

विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय मार्गदर्शक मंडल की बैठक 11-12 जून को हरिद्वार में

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देश भर में चल रहे लाउडस्पीकर, श्रीकृष्ण जन्मस्थान और ज्ञानवापी मस्जिद विवाद के बीच विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय मार्गदर्शक मंडल की बैठक होने जा रही है... मार्गदर्शक मंडल की बैठक 11-12 जून को हरिद्वार में होगी... बैठक में विहिप पदाधिकारी और साधु संत शामिल होंगे... बैठक में काशी विश्वनाथ ज्ञानवापी विवाद, श्रीकृष्ण जन्मस्थान ईदगाह विवाद, लाउडस्पीकर विवाद, जनसंख्या नियंत्रण कानून और यूनिफॉर्म सिविल कोड जैसे मुद्दों पर रणनीति बनाई जाएगी...

अगले महीने उत्तराखंड के हरिद्वार में होने जा रही इस बैठक में देश भर के महत्वपूर्ण पदाधिकारियों समेत 300 से ज्यादा साधु संत हिस्सा लेंगे... अगले एक साल में देश भर में वीएचपी कैसे और कितने कार्यक्रम करेगी, यह रूपरेखा इस बैठक में तय की जाएगी... मार्गदर्शक मंडल की बैठक में परिषद के देश भर के सभी वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहेंगे... हरिद्वार में अभी से इस बैठक की तैयारी शुरू हो गई है...

एजेंडा और रणनीति के लिहाज से बैठक अहम : मार्गदर्शक मंडल के संयोजक ने मीडिया बताया कि वीएचपी के तमाम बड़े पदाधिकारी अगले एक साल के एजेंडा पर चर्चा करेंगे. .. राम मंदिर निर्माण के शुरू हो जाने के बाद अब वीएचपी की इस बैठक को आगे की रणनीति के लिहाज़ से अहम माना जा रहा है... सूत्रों के मुताबिक आरएसएस की ये संस्था अब काशी और मथुरा को एजेंडे में शामिल कर सकती है...

चंपावत उपचुनाव : योगी आदित्यनाथ फिर आ रहे हैं सीएम धामी के लिए मांगेंगे वोट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चंपावत उप चुनाव के लिए भाजपा के 40 स्टार प्रचारकों में यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ सबसे अहम साबित हो सकते हैं। जिन स्टार प्रचारकों की फौज भाजपा चम्पावत में उतारने जा रही है उसमें योगी की चर्चा सबसे ज्यादा है। बीते दिनों उनके दौरे में जो जोश और जन समूह नज़र आया था उसके बाद पार्टी को भी लगता है कि बुलडोज़र बाबा को देखने सुनने उत्तराखंड के हर कोने में लोग जुटेंगे। लिहाज़ा चम्पावत सीट पर उनका प्रचार बड़ी भूमिका में दिखाई दे रहा है। आपको बता दें कि केंद्र तथा राज्य से 40 वरिष्ठ नेताओं के नाम स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल किया गया है।

ये सभी स्टार प्रचारक भाजपा प्रत्याशी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के समर्थन में प्रचार के लिए पहुचेंगे। पार्टी नेताओं का कहना है कि जल्द ही पार्टी संगठन की ओर से स्टार प्रचारकों के कार्यक्रम तय किए जाएंगे। इस सूची में स्मृति ईरानी, पार्टी प्रभारी दुष्यंत कुमार गौतम, सह प्रभारी रेखा वर्मा, प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक, पूर्व मुख्यमंत्रियों के साथ ही सरकार के मंत्रियों और सांसदों को शामिल किया गया है।

सीएम धामी ने 09 मई को नामांकन कर दिया है। जबकि, कांग्रेस प्रत्याशी निर्मला गहतोड़ी ने बुधवार को चंपावत उपचुनाव के लिए नामांकन पर्चा भरा। दोनों ही उम्मीदवार अपनी-अपनी जीत का दावा कर रहे हैं। आपको बता दें कि चंपावत उपचुनाव के लिए 31 मई को मतदान होगा, जबकि तीन जून को मतगणना होगी।

नामंकन से वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं का गायब होना हताशा का प्रमाण : डॉ. देवेंद्र भसीन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड के प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष डॉ. देवेंद्र भसीन ने चंपावत विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी के नामांकन के समय वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं की अनुपस्थिति पर कहा कि इससे फिर साफ हो गया है कि कांग्रेस ने अभी से हार मान ली है और कांग्रेस के बड़े नेता हार की जिम्मेदारी अपने ऊपर लेने से भाग रहे हैं।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. देवेंद्र भसीन ने कहा कि यह बात पहले दिन से ही स्पष्ट है की चंपावत विधानसभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी और प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ऐतिहासिक मतों से विजयी होंगे। शुरू में बड़े-बड़े दावे करने वाले कांग्रेस नेताओं द्वारा भी कांग्रेस की निश्चित पराजय को मान लेना उस समय सिद्ध हो गया जब बड़े नेताओं ने चुनाव में प्रत्याशी बनने से हाथ खड़े कर दिए। इतना ही नहीं करीब 2 माह पूर्व हुए विधानसभा

चुनाव में कांग्रेस के उम्मीदवार रहे नेता ने भी चुनाव लड़ने से मना कर दिया।

उन्होंने कहा कि अब चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी द्वारा किए गए नामांकन के समय कांग्रेस के प्रदेश के सबसे बड़े नेता गायब रहे। यह कांग्रेस की चुनाव में निश्चित पराजय को देखते हुए कांग्रेस नेताओं की हताशा का प्रमाण है। कांग्रेस नेताओं को साफ तौर पर पता है कि इस चुनाव में मुख्य मंत्री पुष्कर सिंह धामी भारी मतों से जीत रहे हैं। ये नेता चुनाव में कांग्रेस की होने वाली करारी हार की जिम्मेदारी से अभी से बच रहे हैं।

आग में झुलसकर सात महीने की बच्ची की मौत

भिकियासैंण (अल्मोड़ा)। स्याल्दे तहसील के उप्राडी ग्राम पंचायत के छबोलाछना गांव में सात महीने की बच्ची की आग में झुलसकर मौत हो गई। वह रेंगते हुए चूल्हे के पास पहुंच गई थी। गांव के खीमराम बृहस्पतिवार सुबह कमरे में सो रहे थे। उनकी पत्नी सुबह उठी तो गोशाला में चली गई। कुछ देर बाद उनकी सात महीने की बेटी भी उठ गई। बताया जा रहा है कि वह रेंगते हुए जलते हुए चूल्हे के पास पहुंच गई। अचानक आग ने बच्ची को चपेट में ले लिया। कमरे में सो रहे खीमराम ने भी बच्ची की आवाज नहीं सुनी। कुछ देर में बच्ची की मां लौटकर आई तो उसने बच्ची को आग की चपेट में देखा, तब तक बच्ची काफी झुलस गई थी। आननफानन में परिजन बच्ची को इलाज के लिए सीएचसी देघाट ले गए। गंभीर हालत देखकर डॉक्टरों ने उसे हल्द्वानी के एसटीएच रेफर कर दिया। बच्ची को 108 एंबुलेंस से हल्द्वानी ले जाया जा रहा था लेकिन आधे रास्ते में ही बच्ची ने दम तोड़ दिया।

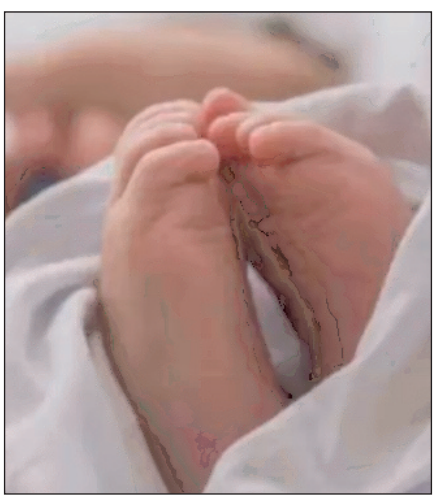

नाश्ते की प्लेट हो गयी मंहगी, कम हुई स्वादिष्ट व्यंजनों की संख्या

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सुबह के सबसे ज्यादा बिक्री होने वाले उत्पादों में दूध, ब्रेड, बिस्कुट, जूस, रस्क समेत अन्य खर्च 70 रुपये से ज्यादा दाम बढ़ा है । टूथपेस्ट, साबुन समेत दूसरी चीजों की कीमतों में भी इजाफा हो गया है।

क्या आपने गौर नहीं किया है कि बीते कुछ दिनों में आपके नाशे की प्लेट कितनी मंहगी हो गयी है। फल , दूध , ब्रेड , अंडा , सलाद , स्प्राउट के साथ साथ पेट्रोल, डीजल, सीएनजी की बढ़ती कीमतों के बीच महंगाई ने रसोई में बनने वाले वेरायटी को भी कम कर दिया है। यही वजह है कि बजट ने आपके नाश्ते की टेबल को भी झकझोरना शुरू कर दिया है। बीते तीन माह में ही एक परिवार का सुबह का खर्च करीब 100 रुपये बढ़ गया है।

दूध, ब्रेड, बिस्कुट समेत नाश्ते के टेबल पर सजने वाली चीजों का खर्च 70 रुपये से ज्यादा बढ़ गया है। टूथपेस्ट, साबुन, चीनी समेत दूसरी चीजों को मिला देने से आंकड़ा 100 रुपये से ऊपर बैठ रहा है। इसका सीधा असर उपभोक्ताओं पर पड़ा है। महंगाई के असर को सीमित करने के लिए कई लोगों ने इसकी तरकीब मात्रा और गुणवत्ता से समझौता करके निकाला है। विशेषज्ञ बताते हैं कि बढ़ती महंगाई का असर सेहत, शिक्षा समेत जिंदगी के हर पहलू पर पड़ रहा है।

मात्रा के साथ गुणवत्ता से भी समझौता

हर दिन बढ़ती महंगाई ने उपभोक्ता को मात्रा के साथ गुणवत्ता के स्तर पर भी समझौता करने का मजबूर किया है। जब हम दुकानदारों से बात करते हैं तो वो भी कहते हैं कि पहले जो दो लीटर दूध लेकर जाते थे, अब एक लीटर तक कर दी है। वहीं, फुल क्रीम की जगह टोंड व डबल टोंड की मांग भी बढ़ी है। यही चीज ब्रेड, मक्खन, जूस आदि चीजों के साथ दिखती है।

बावजूद इस तरकीब को आजमाने के, लोग महंगाई की मार झेल नहीं पा रहे हैं। दुकान पर ही खड़े खड़े ग्राहक से पूछेंगे तो वो भी कहते हैं कि महंगाई आसमान छू रही है। नतीजतन कई तरह से समझौता करना पड़ रहा है। बच्चों को फल पसंद होने से पहले नाश्ते के टेबल की यह जरूर होता था। लेकिन अब हफ्ते में एकाध बार इसे खरीद रहे हैं। यानी क्वलिटी से समझौता करते हुए अब लोग जैसे तैसे ही नाश्ते का लुत्फ़ ले पा रहे हैं।

राजस्थान को हराकर दिल्ली ने बरकरार रखी प्लेऑफ़ की उम्मीद

मुंबई (एजेंसी)। मिचेल मार्श (89) और डेविड वॉर्नर (52) की शानदार पारियों की बदौलत दिल्ली कैपिटल्स ने राजस्थान रॉयल्स को हराकर प्लेऑफ़ में पहुंचने की उम्मीद को बरकरार रखा है।

राजस्थान ने दिल्ली को 20 ओवर में 161 रन का लक्ष्य दिया था जिसे रिभष पंत की टीम ने 11 गेंदें रहते ही हासिल कर लिया।

अपने पिछले मैच में चेन्नई सूपरकिंग्स से 91 रनों से हारकर आई दिल्ली ने पारी की दूसरी गेंद पर सलामी बल्लेबाज़ श्रीकर भरत को शून्य रन पर ही खो दिया। इसके बावजूद ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर और मिचेल मार्श ने दूसरे विकेट के लिए 144 रनों की साझेदारी कर टीम को जीत दिलायी।

इस जीत के साथ दिल्ली के 12 पॉइंट हो गये हैं जबकि राजस्थान 14 पॉइंट पर बरकरार है। दोनों टीमें पॉइंट्स टेबल पर अपने पुराने स्थानों पर बरकरार हैं। अब तक सिफर् हार्दिक पांड्या की गुजरात टाइटन्स ने प्लेऑफ़ में जगह बनायी है। टॉस जीतकर दिल्ली ने राजस्थान को पहले बल्लेबाज़ी करने के लिये बुलाया।

चेतन सकारिया (23 रन पर दो विकेट) और मिचेल मार्श (25 रन पर दो विकेट) की किफायती गेंदबाज़ी की बदौलत कैपिटल्स ने रॉयल्स को 20 ओवर में 160 रन पर रोक दिया।

दिल्ली के लिये गेंदबाज़ी करते हुए चेतन सकारिया ने अपने दूसरे और मैच के तीसरे ओवर में राजस्थान के सलामी बल्लेबाज़ जॉस बटलर को महज़ 7(11) रन पर आउट किया। दूसरे सलामी बल्लेबाज़ यशसवी जयसवाल भी पारी के आठवें ओवर में 19 गेंदों पर 19 रन बनाकर आउट हो गये।

ऑलराउंडर रविचंद्रन अश्विन ने चार चौकों और दो छक्कों की बदौलत 50(38) रन बनाकर राजस्थान की पारी को संतुलन प्रदान किया, हालांकि बीच के ओवरों में राजस्थान ने तेज़ी से विकेट खोये।

देवदत्त पड्डिकल ने छह चौकों और दो छक्कों की बदौलत 48(30) रन बनाकर रॉयल्स को 160 रन तक पहुंचाया।

इसके अलावा रैसी वान डेर डुसेन ने 10 गेंदों पर 12 रन बनाये जबकि कप्तान संजू सैम्सन (छह) और रियान पराग (नौ) दहाई के आंकड़े को पार नहीं कर सके।

दिल्ली के लिये सकारिया ने अपने चार ओवरों में 23 रन देकर दो विकेट लिये जबकि मार्श ने सिर्फ तीन ओवर डालकर दो विकेट के बदले 25 रन दिये। दो विकेट लेने वाले एनरिक नॉर्खेया थोड़े महंगे साबित हुए और उन्होंने अपने चार ओवरों में 39 रन दिये।

161 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली की शुरुआत अच्छी नहीं हुई और ट्रेंट बोल्ट ने सलामी बल्लेबाज़ श्रीकर भरत को पारी की दूसरी गेंद पर शून्य रन पर आउट कर दिया।

तीसरे नंबर पर आये मिचेल मार्श को शुरुआती पलों में पिच को पढने में समस्या हुई लेकिन कुछ समय में उन्होंने अपने पांव जमा लिये और सात छक्कों व पांच चौकों की बदौलत 62 गेंदों पर 89 रन बनाये। उन्होंने 41 गेंदों पर 52 रन की नाबाद पारी खेलने वाले डेविड वॉर्नर के साथ 144 रन की साझेदारी की जिसने टीम को जीत की दहलीज़ पर ला खड़ा किया।

17वें ओवर की पहली गेंद पर युज़वेंद्र चहल ने मार्श को चलता किया जिसके बाद क्रीज़ पर आये रिषभ पंत ने दो छक्के जड़ते हुए चार गेंदों पर 13 रन बनाये।

राजस्थान के लिये चहल-बोल्ट ने एक-एक विकेट लिया। राजस्थान के बाकी सभी गेंदबाज़ दिल्ली की बल्लेबाज़ी भेदने में नाकामयाब रहे और कैपिटल्स ने 18.1 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर 161 रन का लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया।

दिल्ली की जीत में गेंद से दो विकेट और बल्ले से 89 रन का योगदान देने के लिये मिचेल मार्श को मैन ऑफ़ द मैच चुना गया। दिल्ली के अब 12 मैच में 12 पॉइंट हो गये हैं। प्लेऑफ़ में पहुंचने के लिये उसे पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियन्स के ख़िलाफ़ अपने अगले दोनों मुक़ाबले जीतने होंगे।

आईपीएल से बाहर हुए रवींद्र जडेजा

मुम्बई (एजेंसी)। पसली की चोट के कारण रवींद्र जडेजा के लिए आईपीएल का यह सीजन समाप्त हो गया है। जडेजा जिन्होंने सीजन के मध्य में चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी छोड़ दी थी, उन्हें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के ख़िलाफ़ खेले मुक़ाबले में डीप में कैच पकड़ते समय चोट लग गयी थी। जडेजा ने उस मुक़ाबले में खेलना जारी रखा था। हालांकि दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ़ खेले पिछले मुक़ाबले में उन्हें बेंच पर बैठने पर मजबूर होना पड़ा।

चेन्नई के सीईओ कशी विश्वनाथन ने इस बात की पुष्टि की कि फ्रैंचाइज़ी और जडेजा दोनों का मानना था कि इस चोट से उबरने की प्रक्रिया आईपीएल के बाहर ही उचित है। उन्होंने कहा, उनकी पसली में चोट लगी है और मेडिकल सलाह के अनुसार इस वक्त उन्हें आराम की ज़रूरत है। इसी के चलते उन्हें आईपीएल से बाहर रखने का निर्णय लिया गया है।

आईपीएल 2012 के सीजन से चेन्नई के लिए खेल रहे जडेजा के लिए यह सिफर् दूसरा अवसर था जब उन्हें चेन्नई के किसी मुक़ाबले से बाहर होना पड़ा था। इससे पहले वह 2019 में मुंबई इंडियंस के ख़िलाफ़ खेले मुक़ाबले से बाहर रहे थे। महेंद्र सिंह धोनी भी उस मैच में चेन्नई का हिस्सा नहीं थे। जडेजा इस वक्त अपने करियर के चुनौतीपूर्ण दौर से गुज़र रहे हैं। सीजन की शुरुआत से ठीक दो दिन पहले जडेजा को टीम की कमान सौंपी गयी। हालांकि जडेजा ने कहा था कि उनके सामने में एक बड़े रिक्त स्थान को भरने की चुनौती है लेकिन अभी भी धोनी उनके साथ मौजूद हैं जिस वजह से वह आत्मविश्वास से लैस हैं।

बतौर कप्तान जडेजा के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह थी कि उन्होंने 2007 में भारतीय युवा टीम का नेतृत्व करने के अलावा कभी भी किसी सीनियर टीम की कप्तानी नहीं की थी। हालांकि जडेजा के अपार अनुभव और मैच विनिंग क्षमता ने उन्हें कप्तानी के लिए सबसे बेहतर विकल्प बनाया था। ख़ुद टीम के मालिक एन श्रीनिवासन ने भी जडेजा में भरोसा जताया था। जडेजा इस सीजन में जब आए थे तब हाल ही में वह आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक ऑलराउंडर बने थे। आईपीएल के पिछले दो सीजन में फ़िनिशर का तमगा भी उनके सिर सज गया था। 2020 और 2021 में जाडेजा ने 57 के औसत और 157 के स्ट्राइक रेट से 459 रन बनाए थे।

हालांकि कप्तानी के बोझ का असर जडेजा के खेल में साफ तौर पर झलकने लगा। जडेजा की कप्तानी में चेन्नई को सिफर् दो मुक़ाबले में जीत मिली जबकि छह मुक़ाबले में उन्हें हार का स्वाद चखना पड़ा, लेकिन उनके कप्तानी छोडने के बाद चेन्नई ने पिछले तीन में से दो मुक़ाबले अपने नाम किए हैं। चेन्नई के लिए प्लेऑफ़ की उम्मीदें अब भी बरकरार हैं। कप्तानी से परे एक बल्लेबाज़ और फ़ील्डर के तौर पर भी जडेजा का प्रदर्शन काफ़ी निराशाजनक रहा। जडेजा ने इस सीजन 10 पारियों में 116 रन बनाए। इस दौरान उनका औसत 19 और स्ट्राइक रेट 118 का रहा। इसमें दो डक भी शामिल हैं। गेंदबाज़ी में भी उनके नाम सिफर् पांच विकेट हैं, जो उन्होंने 33 ओवरों में लगभग 50 के औसत से लिए हैं। सबसे ज़्यादा खटकने वाली बात फील्डिंग में उनका प्रदर्शन है। विश्व के सर्वश्रेष्ठ फ़ील्डरों में से एक माने जाने वाले जडेजा ने इस सीजन में कुल चार कैच टपका दिए।

भारतीय पुरुषों के बाद महिलाओं ने भी थॉमस एंड उबर कप के चर्टर फाइनल में बनाई जगह

बैंकॉक (एजेंसी)। भारतीय पुरुषों के बाद अब महिला बैडमिंटन टीम ने भी मंगलवार को उबर कप के ग्रूप-डी के मैच में अमेरिका को 4-1 से हराकर चर्टर फाइनल में जगह बनायी।

टोक्यो ओलम्पिक में कांस्य पदक जीतने वाली पीवी सिंधु ने एक बार फिर टीम की अगुवाई करते हुए अमेरिका की जेनी गाई को 21-10, 21-11 से शिकस्त दी। भारत की शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ी ने पहले गेम में तेज़ी के साथ 16-4 की लीड ली और 26 मिनट के अंदर ही मुकाबले को समेट दिया।

तनीषा क्रास्टो और ट्रीसा जॉली के युगल ने फ्रांसिस्का कॉर्बेट और एलिसन ली की जोड़ी को 21-19, 21-10 से हराकर भारत को 2-0 की बढ़त दिलाई। भारतीय जोड़ी पहले मुकाबले में 5-11 से पीछ चल रही थी लेकिन दोनों ने वापसी कर गेम को अपने पक्ष में कर लिया। दूसरे गेम में क्रास्टो और जॉली ने 12-0 की बढ़त लेकर मैच को आसानी से 34 मिनट में समाप्त कर दिया।

आकर्षी कश्यप ने एस्थर शी के खिलाफ 21-18, 21-11 से जीतकर भारत को अजेय बढ़त दिलाई, हालांकि अमेरिका की लौरेन लैम और कोडी टैंग ली ने सिमरन सिंघी और रितिका ठाकर को 12-21, 21-17, 13-21 के सेट में हराकर एक पॉइंट अपने नाम कर लिया। अंत में अस्मिता चालिहा ने नैटली ची को 21-18, 21-13 से हराकर भारत की 4-1 की जीत पर मुहर लगायी।

रविवार को कनाडा और आज अमेरिका को हराकर भारत ने उबर कप ग्रूप डी में दक्षिण कोरिया के साथ टॉप-टू में अपनी सीट पक्की कर ली है। साथ ही भारत ने चर्टर फाइनल में अपनी जगह बना ली है। ग्रूप टॉपर सुनिश्चित करने के लिए भारतीय महिला टीम बुधवार को दक्षिण कोरिया का सामना करेगी।

इसी बीच, सोमवार को थॉमस कप के चर्टर फाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित करने वाली भारतीय पुरुष टीम भी 11 मई को चीनी तापेई के खिलाफ ग्रूप सी का अपना आखिरी मैच खेलेगी। भारतीय पुरुष और महिला टीम पिछले साल हुए थॉमस एंड उबर कप 2020 में भी चर्टर फाइनल तक पहुंचे थे।

असम, टाटा टेक ने 77 तकनीकी संस्थानों को बदलने के लिए हाथ मिलाया

गुवाहाटी (एजेंसी)। टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड और असम सरकार ने लगभग 2,756 करोड़ रुपये के निवेश से 34 राज्य पॉलिटेक्निक और 43 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) को भविष्य के उत्कृष्टता केंद्रों (सीओई) में बदलने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। अधिकारियों ने कहा कि समझौते के ज्ञापन का उद्देश्य नवीनतम उद्योग की जरूरतों के अनुरूप पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण और उपकरणों के सभी पहलुओं को शामिल करने वाले तकनीकी संस्थानों को अपग्रेड करना है।

एमओए के एक हिस्से के रूप में, टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड 2,390 करोड़ रुपये का निवेश करेगी, जबकि असम सरकार प्रौद्योगिकी प्रयोगशालाओं और कार्यशालाओं की स्थापना के लिए प्रत्येक तकनीकी संस्थान में 12,000 वर्ग फुट क्षेत्र के साथ 366 करोड़ रुपये का योगदान देगी। असम सरकार के प्रधान सचिव, कौशल, रोजगार और उद्यमिता विभाग बी. कल्याण चक्रवर्ती और एटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के एमडी वॉरेन हैरिस ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इस दिन को उच्च शिक्षा और कौशल सशक्तिकरण के लिए ऐतिहासिक करार दिया, और कहा कि वर्तमान सरकार के एक वर्ष का जश्न मनाते हुए, हमने असम के विकास के लिए हर पल बनाने का संकल्प लिया। चुणोत्सव 2022के उद्घाटन के बारे में, जिसका उद्देश्य राज्य में शिक्षा के गुणात्मक विकास को लाना है। उन्होंने कहा कि टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के साथ साझेदारी चौथी औद्योगिक क्रांति की आवश्यकता के अनुरूप शिक्षा के परिवर्तनकारी चरण को शुरू करेगी, जिसमें इंटरकनेक्टिविटी और स्मार्ट ऑटोमेशन की विशेषता होगी।

उन्होंने कहा कि असम एक साल में 15-20,000 तकनीकी रूप से कुशल युवाओं का उत्पादन करेगा। संपूर्ण उन्नयन परियोजना अगले साल 10 मई तक शुरू हो जाएगी क्योंकि पीडब्ल्यूडी (बिल्डिंग) टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड की विशेषज्ञता के तहत परियोजना को लागू करेगी।

राष्ट्रीय जूनियर हॉकी में जालंधर के जसविंदर सिंह करेंगे पंजाब टीम की कप्तानी

जालंधर (एजेंसी)। जालंधर जिले के जसविंदर सिंह को 17 मई से कोविलपट्टी (तमिलनाडु) में शुरू होने वाली 12वीं हॉकी इंडिया 'जूनियर नेशनल पुरुष हॉकी चैंपियनशिप' में भाग लेने के लिए पंजाब हॉकी टीम का कप्तान बनाया गया है। हॉकी पंजाब की तदर्थ समिति के सदस्य ओलंपियन बलविंदर सिंह शम्मी ने मंगलवार को पंजाब हॉकी टीम की घोषणा करते हुए कहा कि सुरजीत हॉकी अकादमी जालंधर के जसविंदर सिंह 17 से 28 मई तक कोविलपट्टी (तमिलनाडु) में होने वाली 12वीं हॉकी इंडिया जूनियर नेशनल पुरुष हॉकी चैंपियनशिप में पंजाब की टीम की अगुवाई करेंगे। मोहाली के नवदीप सिंह टीम के उपकप्तान होंगे। पंजाब हॉकी टीम के अन्य खिलाड़ी सरबजोत सिंह, स्वर्णदीप सिंह (पंजाब और सिंध बैंक दोनों), अर्शदीप सिंह, शशवंत ऐरी, आकाश, राजिंदर सिंह, आकाशदीप, संजय, गुरकमल सिंह, मनमीत सिंह, भरत ठाकुर, फतेहबीर सिंह (सभी सुरजीत हॉकी अकादमी, जालंधर) अभिताब सिंह, रवनीत सिंह, प्रभदीप सिंह, गुरबख्शीश सिंह (सभी मोहाली से) हैं।

22 मई को सुबह 10.30 बजे श्रद्धालुओं के लिए खुलेंगे हेमकुंड साहिब के कपाट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून । उत्तराखंड में पांचवें धाम के रूप में पहचान रखने वाले सिखों के पवित्र तीर्थ स्थल हेमकुंड साहिब के कपाट 22 मई को सुबह 10 बजकर 30 मिनट पर श्रद्धालुओं के लिए खोले जाएंगे। हेमकुंड साहिब सिखों का पवित्र तीर्थ स्थल है। यहां यात्रा पर देश-विदेश से श्रद्धालु आते हैं। कहा जाता है कि हेमकुंड साहिब की खोज 1934 में हुई थी। इसका जिक्र डिवाइन हेरिटेज ऑफ हेमकुंड साहिब एंड वल्ड हेरिटेज ऑफ वैली ऑफ फ्लावर किताब में भी है। किताब के अनुसार 1930 के दशक में पत्रकार तारा सिंह नरोत्तम बदरीनाथ यात्रा पर आए थे। उन्होंने पांडुकेश्वर से यहां जाकर इसकी खोज की। उन्होंने अपने लेखों के माध्यम से पंजाब के निवासियों को इसकी जानकारी दी।

वर्ष 1934 में सेना के हवलदार मोदन सिंह यहां आए। उन्होंने गुरुवाणी में लिखी पंक्तियों से इस तीर्थ का मिलान किया। वर्ष 1937 में यहां यात्रा शुरू हुई। हेमकुंड साहिब में पहला गुरुद्वारा वर्ष 1936 में बनाया गया था। साल 1937 में गुरु ग्रंथ साहब की पहली अरदास हुई। उत्तराखंड के चमोली जनपद में हेमकुंड साहिब 15,225 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। आपको बता दें कि हेमकुंड की यात्रा रोमांच से भरी होती है। यहां आसपास कई ऐसे पर्यटक स्थल हैं, जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। इस बार हेमकुंड साहिब के कपाट 22 मई को खोले जाएंगे।

सेना ने हेमकुंड साहिब पैदल मार्ग पर अटलाकोटी के पास बर्फ काटकर रास्ता बनाया है। मौसम के बदलते मिजाज के कारण बार-बार दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। फिलहाल सेना क्षेत्र से बर्फ हटा चुकी है। उत्तराखंड में गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ और बदरीनाथ के कपाट खुल गए हैं। चारधाम यात्रा को लेकर तीर्थयात्रियों में खासा उत्साह दिख रहा है। यात्रा पर बढ़ी संख्या में तीर्थयात्री आ रहे हैं। बता दें कि गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट तीन मई, केदारनाथ धाम के कपाट छह मई और बदरीनाथ धाम के कपाट आठ मई को खोले गए हैं।

तिलक ब्रिज-निजामुद्दीन स्टेशन के बीच मालगाड़ी के 13 डिब्बे पटरी से उतरे

नई दिल्ली । दिल्ली के तिलक ब्रिज और निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन के बीच मालगाड़ी के 13 डिब्बे पटरी से उतर गए। हादसे के बाद इस रूट पर कई ट्रेनें देरी से चल रही हैं। जानकारी के अनुसार मालगाड़ी बीटीपीएन (बोगी टैंक पेट्रोल और नेफ्था) से लदी थी। फिलहाल इस मामले के संबंध में अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। रूट को भी सामान्य किया जा रहा है।

वहीं इससे पहले कोयले से लदी मालगाड़ी के 13 डिब्बे पटरी से उतर गए थे। रेलवे के सबसे व्यस्त मार्गों में से एक दिल्ली-हावड़ा रेल मार्ग पर उत्तर प्रदेश के इटावा जिले में ये हादसा हुआ था। कोयले संकट के बीच इस तरह के हादसों के कारण रेलवे को कई फेरों को रद्द करना पड़ता है। खासतौर पर डेडीकेटेड कॉरिडोर पर यह हादसे अन्य माल गाडियों की आवाजाही को बेहद प्रभावित करते हैं। ऐसे में जब रेलवे लगातार कोयले की पूर्ति के लिए फेरों में बढ़ोतरी कर रही है उस समय ऐसा हादसा बिजली संकट और कोयले की कमी को और बढ़ा सकता है।

गौरतलब है कि दिल्ली-हावड़ा रूट देश के सबसे व्यस्तम रेलवे मार्गो में से एक है। इसी रूट से अधिकतर गाडियां कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी होते हुए बिहार व बंगाल तक जाती हैं। वहीं मालगाड़ी के जरिए ज्यादा से ज्यादा कोयले की सप्लाई की जा रही है। वहीं, रेलवे बिजली संयंत्रों को कोयला पहुंचाने के लिए प्रति दिन औसतन 498 रैक उपलब्ध करा रहा है। इस बीच खबर आ रही है कि इनमें से सिर्फ 417 रैक का ही इस्तेमाल किया जा रहा है। यह आंकड़ा ऐसे समय आया है, जब कुछ कोयला आधारित बिजली संयंत्र ईंधन आपूर्ति के मुद्दे से जूझ रहे हैं। रेलवे ने इस साल कोयला रैक के लिए प्रतिदिन औसतन 26,386 वैगन उपलब्ध कराए हैं जबकि 2020-21 में यह संख्या 21,824 वैगन थी। इस साल 10 मई को रेलवे ने वैगन की संख्या बढ़ाकर 29,283 और 11 मई को 29,944 कर दी थी।

राष्ट्रव्यापी कोविड टीकाकरण के तहत अब तक 190.83 करोड़ से अधिक लगे टीके

नई दिल्ली ,12 मई (आरएनएस)। भारत का कोविड-19 टीकाकरण कवरेज आज सुबह 7 बजे तक अंतिम रिपोर्ट के अनुसार 190.83 करोड़ (1,90,83,96,788) से अधिक हो गया। इस उपलब्धि को 2,38,04,578 टीकाकरण सत्रों के जरिये प्राप्त किया गया है। 12-14 आयु वर्ग के लिए कोविड-19 टीकाकरण 16 मार्च, 2022 को प्रारंभ हुआ था। अब तक 3.10 करोड़ (3,10,92,227) से अधिक किशोरों को कोविड-19 टीके की पहली खुराक लगाई गई है। समान रुप से 18-59 आयु वर्ग के लिये प्रीकॉशन खुराक भी 10 अप्रैल,2022 को प्रारंभ की गई थी। भारत में सक्रिय मामले आज 19,067 हैं। सक्रिय मामले, कुल पॉजिटिव मामलों के 0.04 प्रतिशत हैं। नतीजतन, भारत में स्वस्थ होने की दर 98.74 प्रतिशत है।पिछले 24 घंटों में 3,230 रोगियों के ठीक होने के साथ ही स्वस्थ होने वाले मरीजों (महामारी की शुरुआत के बाद से) की कुल संख्या बढक़र 4,25,70,165 हो गई है। बीते 24 घंटे में कोरोना के 2,827 नए मामले सामने आएं। 24 घंटों में कुल 4,71,276 जांच की गई हैं। भारत ने अब तक कुल 84.24 करोड़ से अधिक (84,24,58,167) जांच की गई हैं। देश में साप्ताहिक पुष्टि वाले मामलों की दर 0.72 प्रतिशत है और दैनिक रूप से पुष्टि वाले मामलों की दर भी 0.60 प्रतिशत है।

ताजमहल में भगवा वस्त्र, धर्मदंड के साथ प्रवेश न देने को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दाखिल

प्रयागराज। ताजमहल आगरा में भगवा वस्त्र और धर्मदंड लेकर प्रवेश न देने के मामले में हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई है। याचिका में धर्मदंड और भगवा वस्त्र के साथ ताजमहल में प्रवेश की अनुमति दी जाने की मांग की गई है। यह याचिका जगत गुरू परमहंस आचार्य धर्मेंद्र गोस्वामी की ओर से दाखिल की गई है।

कहा गया है कि जगद्गुरु परमहंस 26 अप्रैल 2022 को धर्मदंड और भगवा वस्त्र के साथ ताजमहल में प्रवेश करने से रोका गया था। विवाद बढने पर उन्हें एएसआई आर के पटेल की ओर से ताजमहल में प्रवेश करने का निमंत्रण भेजा गया। इस निमंत्रण पर जब वह ताजमहल गए तो धर्म दंड को बाहर रखने की बात कही गई। कहा गया कि धर्मदंड के साथ ताजमहल में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। परमहंस द्वारा बार-बार आग्रह करने पर भी उन्हें प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई और उन्हें हाउस अरेस्ट करके वापस अयोध्या भेज दिया गया।

याचिका में कहा गया है कि इसके बाद चार मई 2022 को हिंदू युवा वाहिनी के एक नेता को धर्म दंड और भगवा वस्त्र के साथ प्रवेश की अनुमति दी गई थी। जिसकी खबरें समाचार पत्रों में प्रकाशित हुईं। परमहंस ने इसके बाद सक्षम अधिकारी के सामने धर्मदंड और भगवा वस्त्र के साथ प्रवेश की अनुमति के लिए प्रत्यावेदन दिया था। जिसका निस्तारण नहीं किया गया। याचिका में मंदिर में धर्मदंड और भगवा वस्त्र के साथ प्रवेश न देने और उनके प्रत्यावेदन को निस्तारित न करने को चुनौती दी गई है।

याची के अधिवक्ता का कहना है कि ताजमहल प्रशासन का यह कृत्य संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 16, और 19 का सीधा उल्लंघन है। सिर्फ धार्मिक वस्त्र और उसकी वेशभूषा के आधार पर किसी को कहीं आने जाने से रोका नही जा सकता है। खासकर जब तक प्रवेश करने वाली जगह पर विशेष प्रकार का ड्रेस कोड का प्रावधान ना किया गया है। याचिका में तर्क दिया गया है कि ताजमहल में प्रवेश के लिए ऐसा कोई ड्रेस कोड लागू नहीं किया गया है। धर्मदंड और भगवा वस्त्र पर ताजमहल में प्रवेश ना देना हिंदू धर्म का अपमान है।

एंटी ड्रग्स टास्क फोर्स ने वकालत करने वाले ड्रग्स सप्लायर को किया गिरफ्तार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखण्ड राज्य में बढ़ते नशे की प्रवृति की रोकथाम हेतु नशा मुक्त भारत अभियान के तहत थाना रायपुर क्षेत्र से 742 नशीले इंजेक्शन व 300 नशीली गोलियों के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया। पुलिस महानिदेशक उत्तराखण्ड अशोक कुमार द्वारा राज्य के युवाओं तथा स्कूली छात्र-छात्राओं के मध्य बढते नशे की प्रवृति की रोकथाम तथा अवैध नशा तस्करों के खिलाफ कार्यवाही हेतु एसटीएफ के अधीन एन्टी ड्रग टास्क फोर्स का गठन किया गया है। जिसके द्वारा लगातार अवैध मादक पदार्थो की तस्करी की रोकथाम हेतु नशा तस्करों की धड़पकड़ गिरफ्तारी की जा रही है।

इसी क्रम में 'देहरादून जिले में नियुक्त ए0डी0टी0एफ टीम द्वारा थाना रायपुर देहरादून क्षेत्र मे ए0टी0एस0 कॉलोनी पर पर स्थित घर में छापा मारकर अभियुक्त लाल प्रभात भारती के घर से 742 नशीले इंजेक्शन व 300 नशीली गोलियों के साथ नशे के व्यापार से कमाए गए अवैध 19,350 रूपए बरामद करते हुए अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम द्वारा कार्यवाही करते हुये अभियुक्त के विरुद्ध थाना रायपुर में मामला दर्ज़ कराया है ।पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि वह वकालत की प्रेक्टिस कर रहा है तथा वह धन के लालच में आकर यह कार्य कर रहा था।प्रभारी, एस0टी0एफ0, उत्तराखण्ड ने जनता से अपील की है कि वे नशे से दूर रहें । किसी भी प्रकार के लालच में आकर नशा तस्करी न करें । नशा एक धीमा जहर है जिससे खुद भी बचें तथा अपने बच्चों को भी सुरक्षित रखें । नशा तस्करी करने वालों के खिलाफ कार्यवाही में सहयोग दें और तुरंत निकटतम पुलिस स्टेशन या एस0टी0एफ0 उत्तराखण्ड से 0135-2656202 और 9412029536 नंबरों पर सम्पर्क करें।

मुख्तार अब्बास नकवी और उत्तर प्रदेश के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह कल उत्तर प्रदेश के पटवाई, रामपुर में देश के प्रथम अमृत सरोवर का उद्घाटन करेंगे

नई दिल्ली । केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी और उत्तर प्रदेश के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह द्वारा 13 मई, 2022 को पटवाई, रामपुर (यूपी) में देश के प्रथम अमृत सरोवर का उद्घाटन किया जाएगा। नकवी ने आज नई दिल्ली में कहा कि इस शानदार अमृत सरोवर का निर्माण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में किया गया है। उन्होंने कहा कि इस भव्य अमृत सरोवर को बहुत ही कम समय में तैयार करने में आम लोगों, ग्रामीणों की भागीदारी तथा सहयोग एवं ग्राम पंचायत और जिला प्रशासन की तत्परता ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। नकवी ने कहा कि पिछले महीने मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने रामपुर के पटवाई में इस अमृत सरोवर का जिक्र किया था। मन की बात में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था, मुझे यह जानकर अच्छा लगता है कि अमृत सरोवर का संकल्प लेने के बाद कई जगहों पर इस पर तीव्र गति से काम शुरू हो गया है। मुझे यूपी के रामपुर की ग्राम पंचायत पटवाई के बारे में पता चला है। ग्राम सभा की जमीन पर एक तालाब था, लेकिन वह गंदगी और कूड़े के ढेर से भरा था। काफी मेहनत से, स्थानीय लोगों की मदद से, स्थानीय स्कूली बच्चों की मदद से, पिछले कुछ हफ्तों में उस गंदे तालाब को बदल दिया गया है। अब उस झील के किनारे रिटेनिंग वॉल, बाउंड्री वॉल, फूड कोर्ट, फव्वारे और लाइटिंग जैसी कई व्यवस्थाएं की गई हैं। मैं रामपुर की पटवाई ग्राम पंचायत, गांव के लोगों, वहां के बच्चों को इस प्रयास के लिए बधाई देता हूं। नकवी ने कहा कि पटवाई का यह अमृत सरोवर न केवल पर्यावरण की रक्षा और जल संरक्षण में मदद करेगा, बल्कि आसपास के क्षेत्रों के लोगों के लिए भी आकर्षण का केंद्र होगा।

संपादकीय

घातक है नशाखोरी

तमाम कोशिशों के बावजूद तंबाकू और शराब की लत चिंताजनक बनी हुई है. राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे (2019-21) के अनुसार, हमारे देश में 15 वर्ष से अधिक आयु के 38 प्रतिशत पुरुष तंबाकू का सेवन करते हैं. महिलाओं में यह आंकड़ा नौ प्रतिशत है. सर्वे में यह भी बताया गया है कि 15 से 49 साल की उम्र की केवल एक प्रतिशत महिलाएं ही शराब पीती हैं, जबकि इस आयु वर्ग में 19 प्रतिशत पुरुषों को इसकी लत है. इस संबंध में एक तथ्य यह भी है कि 2015 से पुरुषों में शराब का उपभोग सात प्रतिशत कम हुआ है. लेकिन इससे हमें संतोष नहीं करना चाहिए क्योंकि अनेक विशेषज्ञों का मानना है कि इस कमी की एक वजह कोरोना काल में लॉकडाउन के कारण शराब का उपलब्ध नहीं होना भी हो सकती है. शराब पीने वाले पुरुषों में 15 फीसदी लगभग रोज, 43 फीसदी हफ्ते में लगभग एक बार तथा 42 फीसदी हफ्ते से अधिक अंतराल में पीते हैं. स्त्रियों में 17 प्रतिशत लगभग हर दिन तथा 37 प्रतिशत सप्ताह में लगभग एक बार शराब का उपभोग करती हैं. उल्लेखनीय है कि यह रिपोर्ट देश के 28 राज्यों और आठ केंद्र शासित प्रदेशों के 707 जिलों में 6.37 लाख परिवारों के सर्वेक्षण पर आधारित है. दो सालों की इतनी बड़ी कवायद के बाद जो नतीजे हमारे सामने हैं, उन पर गंभीरता से अध्ययन कर नशाखोरी रोकने या सीमित करने के लिए दीर्घकालिक रणनीति बनायी जानी चाहिए. हालांकि नशे की लत हर वर्ग में है, लेकिन यह पाया गया है कि अशिक्षित लोगों में तंबाकू का सेवन अपेक्षाकृत अधिक है. स्कूल नहीं गये या पांच साल से कम पढ़ाई करनेवाले लगभग 58 फीसदी पुरुष तथा 15 फीसदी महिलाएं तंबाकू की लत की शिकार हैं. ग्रामीण भारत में तेजी से नशाखोरी बढ़ रही है और इससे सबसे अधिक प्रभावित वंचित सामुदाय हैं. पूर्वोत्तर, उत्तर और पूर्वी भारत के कई राज्यों में सेवन का स्तर बहुत अधिक है. पश्चिमी भारत के कुछ क्षेत्रों में भी ऐसा है. शराब के उपभोग के मामले में भी कमोबेश यही हालत है. ये क्षेत्र देश के अपेक्षाकृत पिछड़े इलाके हैं. तंबाकू सेवन से होनेवाली बीमारियों के कारण हमारे देश में हर साल कम से कम 13 लाख लोग मौत के मुंह में समा जाते हैं. मौत से पहले उन्हें बहुत लंबे समय तक तकलीफ से गुजरना पड़ता है और उपचार पर बहुत अधिक खर्च भी करना पड़ता है. तंबाकू उत्पादों के सेवन का असर केवल उस व्यक्ति पर ही नहीं पड़ता, जिसकी उसे लत है, बल्कि उसके आसपास के लोग भी नुकसान झेलते हैं. शराब मौत और बीमारी की ऐसी दूसरी सबसे बड़ी वजह है, जिसे रोका जा सकता है. भारत में इसको लेकर कोई राष्ट्रीय नीति भी नहीं है. यह स्पष्ट है कि रोकथाम के लिए सरकारों में साहस और इच्छाशक्ति का भी अभाव है.

प्रधानमंत्री ने भरूच में उत्कर्ष समारोह को संबोधित किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज गुजरात के भरूच में वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए उत्कर्ष समारोह को संबोधित किया। यह कार्यक्रम जिले में राज्य सरकार की चार प्रमुख योजनाओं के शत-प्रतिशत सैचुरेशन का उत्सव है, जो जरूरतमंद लोगों को समय पर वित्तीय सहायता प्रदान करने में मदद करेगा। इस अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल उपस्थित थे।

क्षेत्र की महिलाओं ने प्रधानमंत्री को एक विशाल राखी भेंट की, उनके स्वास्थ्य और लंबे जीवन की कामना की और देश में महिलाओं की गरिमा और जीवन को आसान बनाने के लिए उनके द्वारा किए गए सभी कार्यों के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से बातचीत की।

एक दृष्टिबाधित लाभार्थी से बातचीत करते हुए प्रधानमंत्री ने उनकी बेटियों की शिक्षा के बारे में जानकारी ली। पिता की परेशानी को लेकर बेटी भावुक हो गई। स्पष्ट रूप से प्रभावित प्रधानमंत्री ने उन्हें बताया कि उनकी संवेदनशीलता ही उनकी ताकत है। प्रधानमंत्री ने यह भी पूछा कि उन्होंने और उनके परिवार ने ईद कैसे मनाई। उन्होंने टीका लगवाने और अपनी बेटियों की आकांक्षाओं को पोषित करने के लिए लाभार्थी को बधाई दी। प्रधानमंत्री ने एक महिला लाभार्थी से बातचीत की और उसके जीवन के बारे में पूछा और गरिमापूर्ण जीवन जीने के उसके दृढ़ संकल्प की प्रशंसा की। एक युवा विधवा ने अपने बच्चों को एक अच्छा जीवन देने की अपनी यात्रा के बारे में प्रधानमंत्री को बताया। प्रधानमंत्री ने सुझाव दिया कि उन्हें छोटी बचत में शामिल होना चाहिए और अधिकारियों से उनकी दृढ़ निश्चयी यात्रा में उनका समर्थन करने के लिए कहा।

सभा को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का ये उत्कर्ष समारोह इस बात का प्रमाण है कि जब सरकार ईमानदारी से, एक संकल्प लेकर लाभार्थी तक पहुंचती है, तो कितने सार्थक परिणाम मिलते हैं। उन्होंने भरूच जिला प्रशासन को, गुजरात सरकार को सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी 4 योजनाओं के शत-प्रतिशत सैचुरेशन के लिए बधाई दी। प्रधानमंत्री ने लाभार्थियों के बीच संतोष और विश्वास के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि आदिवासी, अनुसूचित जाति और अल्पसंख्यक समुदायों के कई नागरिक जानकारी के अभाव में योजनाओं के लाभ से वंचित हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सबका साथ सबका विश्वास की भावना और ईमानदार इरादे हमेशा अच्छे परिणाम देते हैं।

सरकार की आगामी 8वीं वर्षगांठ के बारे में चर्चा करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार के 8 वर्ष सेवा व्यवस्था और गरीब कल्याण को समर्पित रहे हैं। उन्होंने अपने प्रशासन की सफलताओं का श्रेय उस अनुभव को दिया जो उन्होंने अभाव, विकास और गरीबी के बारे में सीखने वाले लोगों में से एक के रूप में प्राप्त किया था। यह कहते हुए कि वह गरीबी के व्यक्तिगत अनुभव और आम लोगों की जरूरतों के अनुसार काम करते हैं, उन्होंने कहा कि हर पात्र व्यक्ति को योजना का पूरा लाभ मिलना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि गुजरात की धरती ने उन्हें सिखाया है कि वे अपनी ख्याति के कारण आराम न करें और वे हमेशा नागरिकों के कल्याण के दायरे और कवरेज में सुधार और विस्तार करने का लक्ष्य रखते हैं। सैचुरेशन मेरा सपना है। हमें शत-प्रतिशत कवरेज की ओर बढना चाहिए। सरकारी तंत्र को इसकी आदत डालनी चाहिए और नागरिकों में एक विश्वास पैदा करना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 2014 में जब आपने हमें सेवा का मौका दिया था तो देश की करीब-करीब आधी आबादी शौचालय की सुविधा से, टीकाकरण की सुविधा से, बिजली कनेक्शन की सुविधा से, बैंक अकाउंट की सुविधा से वंचित थी। इन वर्षों में हम, सभी के प्रयासों से अनेक योजनाओं को शत प्रतिशत सैचुरेशन के करीब ला पाए हैं। प्रधानमंत्री ने आह्वान करते हुए कहा कि 8 वर्षों के बाद, हमें नई दृढ़ता और नए संकल्प के साथ खुद को फिर से समर्पित करने की आवश्यकता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि शत-प्रतिशत लाभार्थियों की कवरेज यानि हर मत, हर पंथ हर वर्ग को एक समान रूप से सबका साथ, सबका विकास। गरीब कल्याण की हर योजना से कोई छूटे ना, कोई पीछे ना रहे। इससे तुष्टीकरण की राजनीति भी खत्म हो जाती है।

आवास एवं शहरी कार्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने प्लंबेक्स इंडिया प्रदर्शनी में भारत टैप पहल का शुभारंभ किया

नई दिल्ली । आवास और शहरी कार्य तथा पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने आज नई दिल्ली में प्लम्बेक्स इंडिया प्रदर्शनी में भारत टैप पहल का शुभारंभ किया। यह प्रदर्शनी नल से संबंधी उपकरणों, पानी और स्वच्छता उद्योग से संबंधित उत्पादों और सेवाओं के प्रदर्शन के लिए आयोजित की गई है। पुरी ने कहा कि यह प्रदर्शनी राष्ट्र के विकास में जल और स्वच्छता की एक आधारभूत सेवा प्रदान करने में सहयोग करती है और पर्याप्त स्वच्छता के बिना कोई देश प्रगति या विकास नहीं कर सकता है। उन्होंने कहा कि यह सेवाएं नागरिकों के लिए आवश्यक बुनियादी आवश्यकताओं के अनुसार अपेक्षित मूलभूत सेवाएं हैं। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री की घोषणा के बाद भारत के सामाजिक विकास में एक आदर्श बदलाव आया है और स्वच्छता भारत के विकास की प्रमुख कुंजी है। उन्होंने न केवल खुले में शौच की समस्या से निपटने और स्वच्छता के प्रति व्यवहार में बदलाव लाने के लिए महत्वाकांक्षी स्वच्छ भारत मिशन की शुरुआत की। पुरी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने भारत की 60 प्रतिशत शहरी आबादी के लिए सुरक्षित पानी और गंदे पानी की निकासी की प्रणाली प्रदान करने के लिए अटल मिशन फॉर रिजुवेनेशन एंड ट्रांसफॉर्मेशन (अमृत) की भी अवधारणा तैयार की। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं का देश में स्वच्छता की स्थिति पर जबरदस्त प्रभाव पड़ा है। पुरी ने कहा कि भारत, ग्रामीण क्षेत्रों में 38 प्रतिशत शौचालय से 100 प्रतिशत शौचालय कवरेज तक पहुंच गया है। पुरी ने कहा कि इसके अलावा शहरी क्षेत्रों में 73.32 लाख घरेलू और सामुदायिक शौचालयों का निर्माण किया गया है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन एक जन आंदोलन बन गया जिसने देश को सुरक्षित और उचित स्वच्छता के लिए प्रेरित किया है। स्वच्छता की यात्रा को सुविधाजनक बनाने में अमृत मिशन काफी महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने कहा कि यह मिशन पानी की आपूर्ति और गंदे पानी की निकासी / नालों की सफाई के लिए प्रमुख आवंटन के साथ बुनियादी ढांचे के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

मंत्री महोदय ने कहा कि परिणाम असाधारण से कम नहीं है और 42,224 करोड़ रुपये की लागत से 1,336 जल आपूर्ति परियोजनाओं के माध्यम से 33,840 करोड़ रुपये लागत की 860 सीवरेज और सेप्टेज प्रबंधन परियोजनाएं पूरी कर, अमृत मिशन ने शहरी भारत में 127 लाख घरेलू नल कनेक्शन और 95 लाख सीवर कनेक्शन प्रदान किए हैं। इसी तरह, अमृत मिशन के अंतर्गत सीवरेज परियोजनाओं से एसटीपी की लगभग 6,000 एमएलडी उपचार क्षमता का विकास होने की आशा है, जिसमें लगभग 2,360 एमएलडी क्षमता पहले ही प्राप्त की जा चुकी है और लगभग 3,650 एमएलडी क्षमता की एसटीपी प्रगति पर है।

पुरी ने कहा कि अमृत मिशन की सफलता के बाद, अगला लक्ष्य देश के पूर्ण शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) को शामिल किया जाना है, जबकि अमृत शहरों में पानी और स्वच्छता सेवाओं का सुदृढ़णीकरण जारी है। उन्होंने कहा कि यह अमृत 2.0 का आधार था, जिसे 1 अक्टूबर 2021 को प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किया गया था। अमृत 2.0 को 2,77,000 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ, हमारे सभी शहरों को जल सुरक्षित बनाकर नए शहरी भारत की आकांक्षाओं को साकार करने के लिए डिजाइन किया गया है।

पुरी ने कहा कि अमृत 2.0 मिशन, 2.68 करोड़ नल कनेक्शनों के माध्यम से लगभग 4,700 शहरी स्थानीय निकायों में सभी घरों में पानी की आपूर्ति का 100 प्रतिशत कवरेज प्रदान करेगा और 2.64 करोड़ सीवर कनेक्शन के माध्यम से 500 शहरों में सीवरेज और सेप्टेज की 100 प्रतिशत कवरेज प्रदान करेगा।

देर रात मुंबई की सडक़ों पर दिखा मौनी का ग्लैमरस अंदाज़, फोटोज हो गई वायरल

मौनी रॉय बी-टाउन की फेमस अभिनेत्रियों में से एक हैं। मौनी ने अभिनय को दमदार है ही लेकिन इसके साथ उनका ड्रेसिंग सेंस भी फैंस को बहुत पसंद किया जा रहा है। साड़ी-सूट से लेकर वेस्टर्न तक मौनी हर आउटफिट में हर किसी को घायल कर रही है। अभिनेत्री जब भी वह बाहर निकलती हैं तो वह अपनी खूबसूरती से लोगों का अपना दीवाना बनाने में कामयाब हो ही जाती है। मौनी की फैन फॉलोइंग भी बहुत तगड़ी है। यही वजह है कि उनकी तस्वीरें सामने आते ही तेजी से वायरल होने लग जाती है। इसी वर्ष की शुरुआत में विवाह के बंधन में बंधी मौनी रॉय को मंगलवार रात मुंबई की सडक़ों पर स्पॉट कर लिया गया। इस बीच मिसेज नांबियर का बेहद ही ग्लैमरस अंदाज देखने के लिए मिला। लुक्स के बारें में बात की जाए तो मौनी ब्लू कलर की सीक्वेंस वाली प्लंजिंग नेकलाइन ड्रेस में दिखाई दी। उन्होंने अपने लुक को मिनिमल मेकअप,कजरारे नैन, मस्कारा, आईलाइनर और पिंक लिपस्टिक से पूरा कर रखा था।

ओपन हेयर्स मौनी के लुक को चार-चांद लगाने का काम कर रहे थे। उन्होंने पर्स और हील्स के साथ अपने इस लुक को कम्पलीट कर रखा था। मीडिया को देख मौनी ने मुस्कुराते हुए पोज भी दे रही है। फैंस मौनी की इन तस्वीरों को बहुत पसंद कर रहे हैं। वर्कफ्रंट के बारें में बात की जाए

तो मौनी रॉय जल्द ही फिल्म ब्रह्मास्त्र में नजर आने वाली है जो अयान मुखर्जी द्वारा निर्देशित और करण जौहर द्वारा निर्मित है। मूवी में आलिया भट्ट, रणबीर कपूर और अमिताभ बच्चन मुख्य भूमिका में हैं। मूवी का पहला भाग 09 सितंबर, 2022 को रिलीज कर दिया गया है। इसके अलावा मौनी इन दिनों डांस रियालिटी शो ष्ठढ्ढष्ठ लिटिल मास्टर को जज कर रही हैं।

सबसे खतरनाक खलनायक थे सदाशिव अमरापुरकर, धर्मेंद्र मानते थे अपने लिए लकी

11 मई 1950 को महाराष्ट्र के अहमदनगर में जन्मे सदाशिव अमरापुरकर आज भले ही इस दुनिया में नहीं है लेकिन उनका नाम सुनते ही लोग खौफ में आ जाते हैं। जी हाँ, अपने समय के दमदार खलनायक बने सदाशिव अमरापुरकर को आज कौन नहीं जानता। सदाशिव अमरापुरकर ने फिल्मी पर्दे पर अपने किरदारों से दर्शकों की तालियों से लेकर सुर्खियों तक वाहवाही बटोरीं। जी हाँ और आज भले ही सदाशिव अमरापुरकर इस दुनिया में नहीं है लेकिन लोग उन्हें भुला नहीं सके हैं। सदाशिव अमरापुरकर महाराष्ट्रियन ब्राह्मण परिवार में पैदा हुए और उनके करीबी लोग प्यार से उनको तात्या बुलाया करते थे।

कहा जाता है सदाशिव बचपन से ही असहाय लोगों की मदद किया करते थे और अपने बचपन से ही वह एक्टिंग करना चाहते थे। फिल्मों में आने से पहले सदाशिव ने एक्टिंग की शुरुआत मराठी नाटकों से की थी और लगभग 50 नाटकों के बाद फिल्मों की दुनिया में कदम रखा। जी हाँ, आप सभी को बता दें कि सदाशिव की पहली फिल्म 22 जून 1897 थी, यह एक मराठी फिल्म थी और इस फिल्म में उन्होंने बाल गंगाधर तिलक का रोल निभाया था। जी हाँ और अभिनेता की पहली हिंदी फिल्म थी अर्धसत्य। इस फिल्म के लिए उन्हें फिल्मफेयर अवार्ड दिया गया था और केवल यही नहीं उन्हें फिल्म सडक़ के लिए भी फिल्मफेयर अवार्ड से नवाजा गया था।

आप सभी को बता दें कि सदाशिव ने फिल्म सडक़ में किन्नर का रोल निभाया था, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया था। इसके अलावा अमिताभ बच्चन के साथ फिल्म आखिरी रास्ता में भी सदाशिव के किरदार की दर्शकों ने खूब तारीफ की थी। वैसे सदाशिव ने बॉलीवुड के लगभग सभी सुपरस्टार्स के साथ काम किया। इस लिस्ट में धर्मेंद्र, गोविंदा, अमिताभ बच्चन से लेकर आमिर खान, संजय दत्त और सलमान खान सभी के नाम शामिल है। कहा जाता है धर्मेंद्र तो उन्हें अपने लिए 'लकी' मानने लगे थे और यही कारण है कि सदाशिव ने उनके साथ दो-चार नहीं बल्कि 11 फिल्मों में काम किया था। आंखें, इश्क, कुली नंबर 1, गुप्तः द हिडेन ट्रुथ, जय हिन्द, मास्टर, हम साथ-साथ हैं, जैसी फिल्मों को कर सदाशिव अमरापुरकर ने सभी का दिल जीता।

हॉरर फिल्म से अदा ने की थी करियर की शुरुआत, फैशन के लिए हैं मशहूर

11 मई 1992 को मुंबई में पैदा हुईं अदा शर्मा का आज जन्मदिन है। आज अदाकारा 30 साल की हो गई हैं। अदा ने अपनी अदाओं से लोगों को दीवाना बनाया है और वह सभी को पसंद आने वाली अदाकारा हैं। अदा ने दसवीं क्लास में ही यह मन बना लिया था कि वो एक्ट्रेस बनेंगी और तभी से इसकी तैयारी भी शुरू कर दी थी। जी हाँ और उनके पिता मर्चेंट नेवी में अफसर थे और मां क्लासिकल डांसर हैं। आप सभी को बता दें कि एक्ट्रेस बनने के लिए उन्होंने बड़ी तैयारी की और उन्होंने अमेरिका जाकर डांस और एक्टिंग की क्लास भी लीं थी। इसी के साथ उन्होने फिल्मों में रोल पाने के लिए काफी स्ट्रगल भी किया।

कहा जाता है कई जगह से उन्हें रिजेक्ट किया गया, हालाँकि साल 2009 में उन्हें पहला ब्रेक मिला फिल्म 1920 से, जो एक हॉरर फिल्म थी। इस फिल्म में अदा खूब पसंद की गई और लेकिन फिल्म कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी। लेकिन फिर भी आज इस फिल्म को कई लोगों के द्वारा पसंद किया जाता है। वहीँ साल 2013 में उनकी एक और फिल्म हम है राही कार के रिलीज हुई। जिसमें उन्होंने संजना मेहरा का रोल किया था लेकिन ये फिल्म भी चली नहीं। इसके बाद उन्होंने साउथ की फिल्मों का रुख किया। जी हाँ और करीब तीन साल वहां काम करने के बाद उनकी साल 2017 में कमांडो 2 से बॉलीवुड में वापसी हुई। इस फिल्म में उन्होंने खूब स्टंट्स किए थे और फिल्म हिट हो गई। वहीँ उसके दो साल बाद कमांडो 3 में उन्होंने वैसा ही रोल किया और इस फिल्म में भी उन्हें खूब पसंद किया गया। अदा शर्मा अब ओटीटी पर वेबसीरीज में नजर आती हैं। जी हाँ और उनकी फिल्म पति पत्नी और पंगा, द हॉलिडे काफी चर्चा में रहीं। इसके अलावा अदाकारा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और उनके पोस्ट किए गए फोटोज लोगों का दिल जीत लेते हैं।

अनन्या पांडे को फरहा से पंगा लेना पड़ा भारी डायरेक्टर ने पिता से कह डाली ये बात

अनन्या पांडे और फराह खान का एक मजेदार वीडियो वायरल हो रहा है, जिसे देखने के उपरांत कई चेहरों पर हंसी आना बहुत आम बात है. मस्तीभरे वीडियो पर कई सेलेब्स ने अपना रिएक्शन भी दे डाला है. अनन्या पांडे के पिता और एक्टर चंकी पांडे ने भी बेटी के वीडियो पर कमेंट कर दिया है. चंकी पांडे अगर अनन्या के लिये कुछ लिखते, तो बात वहीं रुक जाती है. पर कमेंट में उन्हें फराह से पंगा ले लिया है.

चंकी पांडे को फराह का जवाबः फराह खान बॉलीवुड के उन चंद सेलेब्स में हैं, जो अपने बेबाकपन के लिए भी पहचानी जाती है. कुछ समय पहले ही अनन्या ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा कर दिया है. वीडियो में अनन्या ग्रीन कलर के आउटफिट में ड्रेसिंग रूम में बैठ कर खुद को इंट्रोड्यूस करती हुई नजऱ आ रही है. अनन्या की बातें कैप्चर हो ही रहीं थीं. तभी बीच में फराह की एंट्री होती है.

फराह अनन्या से कहती हैं कि उन्हें 'खाली पीली के लिये नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित किया

जा चुका है. ये बात सुनकर अभिनेत्री के चेहरे पर बड़ी सी स्माइल सी दिखाई देती है. तभी फराह बताती हैं कि वो मजाक कर रहीं थीं. फराह और अनन्या के वीडियो पर चंकी पांडे ने कमेंट करते हुए फराह की एक्टिंग को ओवरएक्टिंग बोला है. जिसके जवाब में फराह लिखती हैं कि अपनी बेटी को संभाल ले पहले. इसे कहते हैं नहले पर दहेला. अनन्या पांडे ने वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 50 रुपए काट ओवरएक्टिंग के. वीडियो में फराह के कमेंट के साथ-साथ अनन्या के लुक की भी काफी तारीफ हो रही है. दोनों के मस्तीभरे अंदाज को लोग खूब पसंद कर रहे हैं. चंद सेकेंड का एक बार नहीं, बल्कि बार-बार देखने का मन कर रहा है.

आज से विद्या बालन शुरू करेंगी अपनी इस मूवी की शूटिंग

अमेजन प्राइम वीडियो ने हाल ही में अपने पहले प्राइम वीडियो प्रेजेंट्स इंडिया इवेंट में विद्या बालन अभिनीत नीयत नाम के अबुंदतिया एंटरटेनमेंट के साथ अपने दूसरे को-प्रोडक्शन का एलान कर दिया गया है। ख़बरों की माने तो आज, इस सस्पेंस-थ्रिलर की शूटिंग यूनाइटेड किंगडम में शुरू होने जा रही है और सामने आई फोटो में पहले ही हमें शकुंतला देवी, शेरनी और जलसा के बाद एक और अमेजन-अबुर्दतिया-विद्या को साथ लेकर आने वाले प्रोजेक्ट के लिए उत्साहित हैं। विद्या बालन इस प्रोजेक्ट के लिए अपनी मूवी शकुंतला देवी के निर्देशक अनु मेनन के साथ फिर से काम करती हुई दिखाई देने वाली है। अमेजन प्राइम वीडियो और अबुंदतिया एंटरटेनमेंट के विक्रम मल्होत्रा द्वारा निर्मित, नीयत की आज यूके में पहले शूटिंग शेड्यूल की शुरुआत कर चुकी है। एक नेल-बिटर के रूप में कही जा रही है, नीयत की आधिकारिक लॉगलाइन में लिखते हुए पोस्ट किया हैः जब एक्सीलड अरबपति आशीष कपूर के जन्मदिन की छुट्टी पर मेहमान मरने लगते हैं।

दैनिक
न्यूज वायरस
न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।
सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002
email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094
वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा